पी.जी. डिप्लोमा
(हिन्दी पत्रकारिता)
पाठ्यक्रम
सत्र:(2026-27से लागू)

हिन्दी विभाग
गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय)
हरिद्वार (उत्तराखंड) भारत

पी.जी. डिप्लोमा (हिंदी पत्रकारिता) (DPJ)

Programme Outcomes:-

- हिंदी पत्रकारिता के विकास का अनुशीलन करेंगे.
- न्यू मीडिया एवं डिजिटल का तुलनात्मक अनुप्रयोग सीख सकेंगे.
- रिपोर्ट लेखन,संपादन कला का विकास संभव होगा.
- पत्रकारिता के औचित्य को समझ पाएंगे.
- सृजनात्मक लेखन एवं पत्रकारीय लेखन में दक्षता प्राप्त होगी.
- भारतीय एवं विश्व पत्रकारिता की समीक्षा कर सकेंगे.
- पत्रकारिता के विधिक पक्षों अनुप्रयोग सीख सकेंगे.
- कंप्यूटर और पत्रकारिता के अंतर-सम्बन्धों का औचित्य जान सकेंगे.
- रेडियों और टेलीविजन पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांत जान सकेंगे.
- हिंदी प्रसारण पत्रकारिता का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.
- जनसंचार माध्यम और सोशल मीडिया के वर्तमान स्थिति का चित्रण कर सकेंगे.
- प्रेस विधि का व्यहवारिक अनुप्रयोग कर सकेंगे.
- रिपोर्टिंग के विविध आयामों से परिचित हो सकेंगे.
- विज्ञापन एवं जनसंपर्क की मूल अवधारणा और औचित्य समझ सकेंगे.
- विज्ञापन लेखन में बुनियादी दक्षता प्राप्त कर सकेंगे.

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र-1

DPJ C-101

हिन्दी पत्रकारिता- ऐतिहासिक संदर्भ

पूर्णांक-**100 (लिखित परीक्षा-70 अंक सत्रीय मूल्यांकन-30 अंक)** उत्तीर्णांक- **40 %**

क्रेडिट-5

अधिगम परिणाम :-

- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का अनुशीलन करेंगे.
- हिंदी पत्रकारिता के ऐतिहासिक औचित्य को समझ पाएंगे.
- हिंदी पत्रकारिता और विश्व पत्रकारिता का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- समकालीन हिंदी पत्रकारिता की समीक्षा कर पाएंगे.
- ऐतिहासिक अध्ययन से समकालीन पत्रकारिता की स्थिति का चित्रण कर सकेंगे.

यूनिट-1.

भारतीय ज्ञान परम्परामें संचार का स्वरूप ,संचारमाध्यम के रूप में भाषा का विकास , भारत में पत्रकारिता का उदय एवं विकास,नव जागरण काल और पत्रकारिता,भाषायी समाचार पत्रों का विकास, उत्तराखंड में पत्रकारिता का विकास,विश्व पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास.

यूनिट-2

हिंदी पत्रकारिता का विकास - भारतीय पत्रकारिता में भारतेन्दु हरिश्चद्रका योगदान, मदन मोहन मालवीय , बाबूराव विष्णु पराड़कर, तिलक एवं द्विवेदी युगीन पत्रकारिता.

यूनिट-3

महात्मा गांधी का भारतीय पत्रकारिता में योगदान ,हिन्दी पत्रकारिता का स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान. आपात काल के दौरान पत्रकारिता,आर्य समाज की हिन्दी पत्रकारिता.गुरुकुल कांगड़ी और हिंदी पत्रकारिता.

यूनिट-4

हिन्दी के प्रमुख समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं , विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता , समकालीन हिन्दी पत्रकारिता :स्वरूप और दिशा,हिंदी पत्रकारिता : प्रमुख सम्पादक एवं पत्रकार.

यूनिट-5

स्वतंत्रता पश्चात पत्रकारिता में परिवर्तन एवं नवीन चुनौतियां , आर्थिक उदारीकरण का हिन्दी पत्रकारिता पर प्रभाव समाचार पत्रों का भविष्य,मुद्रण कला- उद्भव एवं विकास, मुद्रण प्रणालियां, ऑफसेट, रोटरी, प्रेस कॉपी ,ब्लॉक निर्माण, डिजिटल प्रिंटिंग,नवीन मुद्रण तकनीक.

संदर्भ ग्रन्थ-

हिन्दी पत्रकारिता- विविध आयाम-डा0 वेद प्रताप वैदिक,हिन्दी बुक सेंटर नई दिल्ली

पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम-डा0 संजीव भानावत, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स जयपुर

मुद्रण परिचय-प्रफुल्ल चन्द्र ओझा, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित

हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार- डा0 ठाकुर दत्त शर्मा आलोक, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

सैद्धांतिक पत्रकारिता- डॉ. सुशील उपाध्याय

हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास-डॉ.अर्जुन तिवारी,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

हिंदी पत्रकारिता :हमारी विरासत,डॉ शम्भू नाथ ,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.

भारतीय पत्रकारिता का इतिहास -जे नटराजन,प्रकाशन विभाग

हिंदी पत्रकारिता -कृष्णबिहारी मिश्र,भारतीय ज्ञानपीठ,नई दिल्ली

भारत में समाचार पत्र क्रांति -रोबिन जेफ्री,आई आई एम सी,नई दिल्ली

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र-2

DPJ C-102

जनसंचार- अवधारणा एवं विकास प्रक्रिया

पूर्णांक-**100 (लिखित परीक्षा-70 अंक सत्रीय मूल्यांकन-30अंक)** उत्तीर्णांक- **40%**

क्रेडिट-5

अधिगम परिणाम :-

- सैद्धांतिक और व्यावहारिक मीडिया के अनुप्रयोग को सीख सकेंगे.
- दृश्य-श्रव्य माध्यम का तुलनात्मक प्रयोग सीख सकेंगे.
- जनसंचार विकास प्रक्रिया का अनुशीलन करेंगे.
- लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका को समझ सकेंगे.
- मीडिया के वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर पाएंगे.

यूनिट-1

संचार- अवधारणा एवं विकास , एवं कार्य , मौखिक एवं अमौखिक संचार , अन्तः वैयक्तिक एवं अन्तर्वैयक्तिक संचार , समूह संचार, जनसंचार,संचार की बाधाएं.

यूनिट-2

जनसंचार के माध्यम-परंपरागत, मुद्रित , श्रव्य, दृष्य-श्रव्य, न्यू मीडिया. दर्शक/पाठकः परिभाषा ,विशेषताएं, एवं प्रकार, ऐजेंडा सेटिंग, सोशल मीडिया : फेसबुक, यू-ट्यूब,इंस्टाग्राम,ट्विटर,क्लब हॉउस आदि.

यूनिट-3

संचार प्रारूपः एस एम आर, एस एम सी आर, प्रतिपुष्टि, शैनन वीबर प्रारूप, लॉसवेल, मीडिया अभिसरण एवं गेटकीपिंग .

यूनिट-4

भारतीय संचार सिद्धांत:अवधारणा और प्रक्रिया,(सहृदय और साधारणीकरण);नाट्यशास्त्र,अन्य मीडिया सिद्वान्तः अथैरिटेरियन, लिबरटेरियन, सोशलिस्ट थ्योरी, सोशियल रिस्पांसिबिलिटी थ्योरी.

यूनिट-5

भारत में लोकतंत्र एवं मीडिया की वर्तमान स्थिति , मीडिया एकाधिकार , मीडिया के दायित्त्व एवं सामाजिक जिम्मेदारी,विभिन्न मीडिया संस्थान,मीडिया साक्षरता:भारतीय समाज के संदर्भ में.

संदर्भ ग्रन्थ-

संचार के मूल सिद्धांत -ओम प्रकाश सिंह, बीके तनेजा, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, करमपुरा नई दिल्ली
मीडिया लेखन-सिद्धांत और व्यवहार, डा0 चन्द्र प्रकाश मिश्रा.
संचार के सिद्धांत : अर्मांड मैतलार्त,मिशेल मैतलार्त,ग्रन्थशिल्पी, नई दिल्ली
जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य:जवरीमल्ल पारख,ग्रन्थ शिल्पी ,नई दिल्ली
सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा :प्रो.सुभाष धूलिया, ग्रन्थ शिल्पी ,नई दिल्ली
भारत में जनसंचार :केवल जे कुमार ,जैको पब्लिकेशन हॉउस,मुंबई
जनमाध्यम और मास कल्चर ,जगदीश्वर चतुर्वेदी,सारांश प्रकाशन,नई दिल्ली
Mass communication theory: An Introduction, Denis Mcquail, Vistara Publications, New Dehi.
Language and Media, Alan Durant &Marina Lambrou,Routledge,New York

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र- 3

DPJ C-103

हिन्दी पत्रकारिता एवं प्रेस विधि

पूर्णांक-**100 (लिखित परीक्षा-70 अंक सत्रीय मूल्यांकन-30 अंक)** उत्तीर्णांक- **40%**

क्रेडिट- 5

अधिगम परिणाम:-

- संवैधानिक अधिकार और मीडिया का अनुशीलन करेंगे.
- प्रेस एवं पुस्तकीय अधिनियमों की समझ बढ़ेगी.
- मीडिया और विधि के अंतर सम्बन्धों को समझ सकेंगे.
- हिंदी पत्रकारिता और प्रेस विधि के औचित्य को समझ सकेंगे.
- संवैधनिक अधिकार और मीडिया अनुप्रयोग का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.

यूनिट-1

भारतीय संविधान- मूल अधिकार वं कर्त्तव्य, प्रेस की स्वतत्रंता, भारत में प्रेस स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त निर्बन्ध मानहानि , प्रेस परिषद अधिनियम, शासकीय गुप्त बात अधिनियम, अदालत की अवमानना.

यूनिट-2

प्रेस एवं पुस्तक पंजीयक अधिनियम1867 , प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम , द्वितीय प्रेस आयोगः गठन , उद्देश्य एवं संस्तुतियां .

यूनिट-3

श्रमजीवी पत्रकार अधिनियम, बालश्रम और पर्यावरण सम्बन्धित कानून, सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005, आरटीआई एक्ट का पत्रकारिता में अनुप्रयोग .सूचना कानून आईटी.एक्ट ,साइबर अपराध,संचार माध्यमों में महिलाओं संबधी अधिनियम 1986.

यूनिट-4

डिजिटल पत्रकारिता के विकास का संक्षिप्त परिचय और विधिक चुनौतियां, प्रसार भारती अधिनियम, जी0 पार्थसारथी समिति. मानवाधिकार जागरूकता.

यूनिट-5

पत्रकारीय लेखन की आचार संहिता : अश्लीलता निषेध , पीत पत्रकारिता एवं सनसनीखेज लेखन , शुद्धता, निष्पक्षता, स्त्री गरिमा, लैंगिक समानता, आत्महत्या संबंधित समाचार , पत्रकारिता का सामाजिक दायित्व बोध,मीडिया ट्रायल:औचित्य प्रभाव,हानि-लाभ.

संदर्भ ग्रन्थ -

प्रेस विधि-नन्द किशोर त्रिखा
प्रेस कानून और पत्रकारिता- प्रो0 संजीव भानावत
भारतीय शाशन एवं राजनीति-डा0 पुखराज जैन
जनमाध्यम-कानून एवं उत्तरदायित्वः श्रीकान्त सिंह, सत्यम पबिलशिंग हाउस, नई दिल्ली
आरटीआई से पत्रकारिता,श्यामलाल यादव, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेस विधि और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य- डॉ. हरबंश दीक्षित, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा- आलोक मेहता, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र 4

DPJ C-104

हिंदी प्रसारण पत्रकारिता

पूर्णांक- **100 (लिखित परीक्षा-70 अंक सत्रीय मूल्यांकन-30 अंक)** उत्तीर्णांक- **40%**

क्रेडिट- 5

अधिगम परिणाम :-

- रेडियों पत्रकारिता के औचित्य को समझ पाएंगे.
- रेडियों स्क्रिप्ट लेखन कर सकेंगे.
- हिंदी प्रसारण पत्रकारिता की समीक्षा कर सकेंगे.
- वेबसीरिज लेखन संबंधी प्रणाली को जान पाएंगे.
- रेडियों और टेलीविजन प्रसारण पत्रकारिता का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.

यूनिट-1

रेडियो का उद्भव प्रारंभिक स्वरूप एवं विकास , भारत में रेडियो का विकास , आकाशवाणी में हिंदी प्रसारण, रेडियो के विभिन्न प्रकार- ए एम , एफ एम, सामुदायिक रेडियो, हेम रेडियो, इंटरनेट रेडियो प्रसारण. मोबाइल एप्प के माध्यम से रेडियो प्रसारण.

यूनिट-2

रेडियो फारमेट- वार्ता, परिचर्चा, रेडियो साक्षत्कार, रेडियो रूपक, डाक्यूमेंटरी, रेडियो नाटक, समाचार फोन इन कार्यक्रम, रेडियो स्क्रिप्ट लेखन.

यूनिट-3

टेलीविजन- उद्भव एवं विकास, दूरदर्शन एवं हिन्दी प्रसारण, दृश्य संचार एवं टेलीविजन, विजुअल ग्रामर एवं टेलीविजन लेखन,टेलीविजन पत्रकारिता के सिद्धांत.विशेष समाचार,लाइव ,ओबी.,मोबाइल एप्प के माध्य से लाइव टेलीविजन.

यूनिट-4

टेलीविजन समाचार उत्पादन , समाचार डेस्क एव उसके कार्य , पीटीसी, टेलीविजन लेखन- समाचार , चर्चा, टॉक शो, साक्षात्कार,समाचार वाचन और एंकरिंग.

यूनिट-5

माइक्रोफोन एवं इसके प्रकार , स्टूडियो प्रकाश व्यवस्था , थ्री प्वाइंट प्रकाश व्यवस्था , फोर प्वाइंट प्रकाश व्यवस्था , प्री एवं पोस्ट प्रोडक्शन, रेडियो एवं टेलीविजन लेखन में अंतर.

संदर्भ ग्रंथ-

टेलीविजन, संस्कृति और राजनीति-जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
मीडिया लेखन सिद्धान्त एवं व्यवहार-, डा0 चन्द्र प्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली
आकाशवाणी एवं दूरदर्शन, उद्भव तथा विकास-ओम प्रकाश जमलोकी, अरावली बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली
दूरदर्शन : दशा और दिशा -सुधीश पचौरी ,प्रकाशन विभाग,भारत सरकार
प्रसारण और समाज – मेहरा मसानी ,नेशनल बुक ट्रस्ट,नई दिल्ली
टेलीविजन:प्रौद्योगिकी औप सांस्कृतिक रूप-रेमंड विलियम्स ,ग्रन्थ शिल्पी,नई दिल्ली
Television and Social Change in Rural India-Kirk Johnson, Sage Publication.

.

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र-5

BJH-151

परियोजना कार्य एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण

पूर्णांक-**100** उत्तीर्णांक- **40%**

क्रेडिट-4

अधिगम परिणाम :-

- लेखन कौशल का विकास होगा.
- इंटरनेट ब्लाग या किसी सोशल साईट पर पेज निर्माण और लेखन कर सकेंगे.
- मीडिया प्रशिक्षण से रोजगार के अवसर बढेंगे.
- समीक्षा कर सकेंगे.
- मीडिया के वर्त्तमान वस्तुस्थिति को समझ सकेंगे.

छात्रों द्वारा निम्नलिखित पर परियोजना कार्य पूर्ण किया जाएगा.

1. विभाग द्वारा निर्दिष्ट समाचार कार्यक्रम या टीवी कार्यक्रम कीएक हजार शब्दों में समीक्षा.
2. इण्टरनेट-ब्लॉग या किसी सोशल साइट पर पेज का निर्माण एवं लेखन.
3. स्वीकृत विषय पर फीचर लेखन .
4. पुस्तक समीक्षा/फिल्म समीक्षा/ओटीटी आधारित समीक्षा
5. किसी मीडिया संस्थान में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण .

नोट- परियोजना कार्य एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरान्त विभाग में बाह्य परीक्षक के माध्यम से मौखिकी आयोजित की जाएगी. इस प्रश्नपत्र में मौखिक परीक्षा बाह्य-परीक्षक द्वारा ली जाएगी. छात्रों के परियोजना कार्य एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण का मूल्यांकन मौखिकी के माध्यम से किया जाएगा.

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

DPJ C-201

रिपोर्टिंग एवं पत्रकारिता के विविध रूप

पूर्णांक-**100 (लिखित परीक्षा-70 अंक सत्रीय मूल्यांकन-30 अंक)** उत्तीर्णांक- **40%**

क्रेडिट-5

अधिगम परिणाम :-

- रिपोर्टिंग और पत्रकारिता के विविध अनुप्रयोग का अनुशीलन करेंगे.
- रिपोर्टिंग के सिद्धांतों का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- खोजी पत्रकारिता-विज्ञान,खेल,वाणिज्य रिपोर्टिंग सीख सकेंगे.
- भारत में स्वास्थ्य पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति के औचित्य को समझ सकेंगे.
- रिपोर्टिंग के व्यहवारिक और सैद्धांतिक पक्ष से रूबरू होंगे.

यूनिट-1

समाचार- परिभाषा, अवधारणा, तत्त्व, समाचार मूल्य, समाचारों के स्रोत, आमुखः परिभाषा एवं प्रकार ,डेट लाइन, बाई लाइन, प्रिंट लाइन, डेड लाइन, इम्बार्गो, फ़ॉलोअप, ऑफ द रिकार्ड.

यूनिट-2

पत्रकारिता के विविध क्षेत्र- अपराध पत्रकारिता , मौसम, दुर्घटना, आपदा, अदालत, संसद, नगरीय जीवन , बाजार, चुनाव, भाषण, दंगे, युद्ध, फिल्म.

यूनिट-3

खोजी पत्रकारिता- उद्भव, उद्देश्य, स्रोत एवं तकनीकि,डेटा पत्रकारिता,साक्षात्कारः उद्देश्य , प्रकार, तकनीकी व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग, राजनीतिक रिपोर्टिंग, विधायी, विज्ञान, खेल, वाणिज्य रिपोर्टिंग.

यूनिट-4

फोटो पत्रकारिता-उद्भव , स्वरूप एवं महत्त्व , स्वास्थ्य पत्रकारिता-उद्देश्य एवं स्वरूप एवं महत्त्व ,भारत में स्वास्थ्य पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति, सांस्कृतिक पत्रकारिता.

यूनिट-5

संवाद समितियां- उद्भव ,संगठन एवं स्वरूप , भाषा, वार्ता, हिन्दुस्थान समाचार समिति, पीटीआई , यू एन आई , रायटर, एपी, एएफपी,एजेंसी से प्राप्त समाचारों का अनुवाद.

संदर्भ ग्रंथ-

हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम भाग एक - डा0 वेद प्रताप वैदिक : हिन्दी बुक सेंटर नई दिल्ली

पत्रकारिता के मूल तत्व-डा0 ए0 आर0 डंगवाल

आधुनिक फोटो पत्रकारिता- नरेश गौतम, मोहित पब्लिकेशन्स नई दिल्ली

रिपोर्टिंग के विविध आयाम- विजया पाठक, जगत पाठक पत्रकारिता संस्थान, भोपाल, मध्यप्रदेश

व्यावहारिक पत्रकारिता- डॉ. सुशील उपाध्याय

समाचार और संवाददाता-काशीनाथ जोगलेकर,वाराणसी विश्वविद्यालय,प्रकाशन,1997.

समाचार संकलन और लेखन – नंदकिशोर त्रिखा,हिंदी समिति,उत्तर प्रदेश-1974,

समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया -सुभाष धूलिया , आनंद प्रधान ,भारतीय जनसंचार संस्थान,नई दिल्ली,2004.

Reporting for Journalists, Chris Frost, Routledge, London,2001.

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र

DPJ C-202

सम्पादन कला

पूर्णांक-**100 (लिखित परीक्षा-70 अंक सत्रीय मूल्यांकन-30 अंक)** उत्तीर्णांक- **40%**

क्रेडिट-5

अधिगम परिणाम :-

- समाचार संपादन की कार्यप्रणाली सीख सकेंगे.
- दृश्य-श्रव्य मीडिया का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएंगे.
- समाचार की संरचना में नैतिक मूल्य का विवेचन कर सकेंगे.
- पेज मेकअप से सिद्धांत को जान पाएंगे.
- दृश्य लेखन और श्रव्य लेखन की समीक्षा कर पाएंगे.

यूनिट-1

संपादन- संपादन के सिद्धांत , संपादक, समाचार संपादक एवं उप संपादक की योग्यता , जिम्मेदारी एवं कार्य. संपादकीय मूल्य:सत्य,तथ्य परकता,वस्तुनिष्ठता,संतुलन,निष्पक्षता,स्वतंत्रता आदि.

यूनिट-2

शीर्षक- आवश्यकता, विशेषता एवं कार्य , शीर्षक के विभिन्न प्रकार , आमुख- परिभाषा एवं प्रकार , लीड, बाटम, प्रूफ रीडिंग, संपादकीय पृष्ठ के घटक.

यूनिट-3

समाचार पत्र का सांगठनिक ढांचा, संपादकीय विभाग एवं उसकी संरचना , कार्य,समाचार डेस्क- स्वरूप प्रकार एवं कार्य प्रणाली, समाचार कॉपी,अनुवाद:अवधारणा और अनुप्रयोग,संपादन में अनुवाद की भूमिका उद्देश्य और महत्त्व ,बेहतर अनुवाद की कसौटियां

यूनिट- 4

पेज मेकअप- संपादकीय पृष्ठ का मेकअप, प्रथम पृष्ठ का मेकअप, ले आउट, फोटो सम्पादन के सिद्धान्त,सप्लीमेन्ट्स,रचनात्मक लेखन.

यूनिट-5

रूपक / फीचर - परिभाषा , लेखन के सिद्धान्त एवं प्रकार, लेख, लेख फीचर एवं समाचार में अंतर, स्तंभ लेखन, व्यंग्य एवं संपादक के नाम पत्र, समीक्षा लेखन- पुस्तक एवं फिल्म. पत्रिकाओं के लिए लेखन.

संदर्भ ग्रन्थ-

पत्रकारिता एवं सम्पादन कला- एन सी पंत, राधा पब्लिकेशन नई दिल्ली
समाचार संकलन और लेखन-नंद किशोर त्रिखा, हिन्दी समिति
समाचार संपादन- प्रेमनाथ चतुर्वेदी, एकेडमिक बुक्स
व्यावहारिक पत्रकारिता- डॉ. सुशील उपाध्याय
समाचार संपादन - प्रेमनाथ चतुर्वेदी भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
फीचर लेखन: स्वरूप और शिल्प, मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,
संपादन कला-एन.सी.पंत,तक्षशीला प्रकाशन,नई दिल्ली

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

DPJ C-203

विज्ञापन प्रविधि एवं जनसंपर्क

पूर्णांक-**100 (लिखित परीक्षा-70 अंक सत्रीय मूल्यांकन-30 अंक)** उत्तीर्णांक- **40%**
क्रेडिट-5

अधिगम परिणाम :-

- विज्ञापन प्रविधि एवं जनसंपर्क के औचित्य को समझ पाएंगे.
- विज्ञापन की आचार संहिता का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- विज्ञापन लेखन कला में दक्ष होंगे.
- मीडिया लाबिंग दिशा बोध को समझ सकेंगे.
- जनसंपर्क उपकरण-प्रेस विज्ञप्ति,प्रेस वार्त्ता,प्रेस ब्रीफ आदि के अनुप्रयोग को सीख सकेंगे.

यूनिट-1

विज्ञापन- अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य एवं प्रकार , विज्ञापन का उद्भव एवं विकास, विज्ञापनों का सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव, मार्केटिंग मिक्स, विज्ञापन के विभिन्न माध्यम.

यूनिट-2

विज्ञापन एजेंसी- संरचना, प्रबंधन एवं कार्य, एजेंसी-क्लाइंट संबंध, विज्ञापन में रचनात्मकता,विज्ञापन कॉपी निर्माण, पंच लाइन,लोगो, रंग संयोजन, भाषा, डिजिटल दौर में विज्ञापन.

यूनिट-3

बाह्य विज्ञापन, पीओपी, अभियान निर्माण , विज्ञापन की आचार संहिता, डी ए वी पी,ए एस सी आई.

यूनिट-4

जनसंपर्क- परिभाषा, महत्त्व एवं कार्य प्रणाली , जनसंपर्क का संक्षिप्त इतिहास , जनसंपर्क के माध्यम , लाबिंग, प्रोपगेंडा, प्रचार , जनसंपर्क अधिकारी की योग्यता कार्य एवं उत्तरदायित्व,मीडिया संपर्क.

यूनिट-5

जनसंपर्क में जनता- प्रकार एवं स्वरूप ,गृह पत्रिका, जनसंपर्क-शेयर होल्डर व जनता से संबंध , जनसंपर्क के उपकरण- पारंपरिक व नए माध्यम, प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस वार्ता, प्रेस ब्रीफ, प्रदर्शनियां, सेमीनार.

संदर्भ ग्रंथ-

विज्ञापन एवं उपभोक्ता व्यवहार-डा0 रितु सारस्वत,गौरांश पब्लिकेशन्स, अजमेर
मीडिया लेखन सिद्धान्त एवं व्यवहार-डा0 चन्द्र प्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली
विज्ञापन और जनसंपर्क-जयश्री जेठवानी, सागर प्रकाशन नई दिल्ली
विज्ञापन और जनसंपर्क -जय श्री जेठवानी,सागर प्रकाशन,नई दिल्ली
भारतीय मीडिया व्यवसाय -वनिता कोहली खांडेकर,सेज/भाषा प्रकाशन नई दिल्ली

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र

DPJ C-204

न्यू मीडिया और हिन्दी पत्रकारिता

पूर्णांक- **100 (लिखित परीक्षा-70 अंक सत्रीय मूल्यांकन-30 अंक)** उत्तीर्णांक- **40%**

क्रेडिट- 5

अधिगम परिणाम:-

- न्यू मीडिया के नूतन प्रवृत्तियों का अनुशीलन कर सकेंगे.
- सूचना प्रौधोगिकी अनुप्रयोग सीख सकेंगे.
- सोशल मीडिया अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा.
- वेब पेज/ब्लाग निर्माण कर सकेंगे.
- प्रचलित मीडिया और न्यू मीडिया का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.

यूनिट-1

सूचना प्रौद्योगिकी-संक्षिप्त परिचय, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तकनीकी का क्रमिक विकास, पेपर रहित पत्रकारिता,कंप्यूटर –सामान्य परिचय, इन्टरनेट अनुप्रयोग,हिंदी फॉण्ट:प्रकार एवं प्रयोग,

यूनिट-2

डिजिटल पत्रकारिता एवं न्यू मीडिया,ई-पत्रकारिता, वेबसाइट निर्माण एवं संचालन,हिंदी ब्लॉग/वीडियो ब्लॉग,हिंदी पत्रकारिता और न्यू मीडिया:व्यवसायिक परिप्रेक्ष्य.

यूनिट-3

न्यू मीडिया की चुनौतियां :फेक न्यूज़,कॉपी राइट उलंघन,तकनीकी असुविधा-इंटरनेट उपलब्धता एवं डाटा उपलब्धता,फैक्ट चेक संसाधन, फैक्ट चेक वेबसाईट, संदिग्ध सूचनाएं-वर्गीकरण एवं पुष्टि तन्त्र

यूनिट-4

नई मीडिया तकनीकी-साइबर पत्रकारिता, समाचार पत्रों के आनलाईन संस्करण- प्रबंधन एवं स्वरूप, ऑनलाईन संपादन, स्मार्टफोन आधारित पत्रकारिता (MOJO),सोशल मीडिया के व्यवहारिक अनुप्रयोग एवं आचार संहिता.

यूनिट-5

डिजिटल पत्रकारिता , डिजिटल पत्रकारिता लेखन : स्वरूप एवं विशेषताएं,सोशल मीडिया लाइव,डिजिटल पत्रकारिता,यू-ट्यूब का अनुप्रयोग,ट्विटर स्पेस

संदर्भ ग्रन्थ

इंडिया कनेक्टेड -न्यूज़ मीडिया के प्रभावों की समीक्षा ,सुनेत्र सेन नारायण,और शालिनी नारायण (संपादक)सेज प्रकाशन नई दिल्ली,2018.

साइबर स्पेस और मीडिया- सुधीश पचौरी,प्रवीण प्रकाशन,नई दिल्ली,2000.

नया मीडिया :अध्ययन और अभ्यास,शालिनी जोशी,शिव प्रसाद जोशी,पेंगुइन प्रकाशन.

नए जन संचार माध्यम और हिंदी –(संपा-सुधीश पचौरी,अचला शर्मा),राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली.

भूमंडलीकरण और ग्लोबल मीडिया -जगदीश्वर चतुर्देवी,सुधा सिंह,अनामिका पब्लिकेशन.नई दिल्ली.

मास मीडिया और समाज-मनोहर श्याम जोशी,वाणी प्रकाशन.नई दिल्ली.

New Media Cultures,P.David Marshall, Oxford University Press,2004.

MOJO: The Mobile Journalism Handbook: How to create live video for social media on your

Online Journalism, A Critical Primer, Jim Hall,Pluto,Press,Londan,2001.

पी.जी. डिप्लोमा (हिन्दी पत्रकारिता)

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र

BJH-251

(परियोजना-कार्य एवं मौखिकी)

पूर्णांक-**100** उत्तीर्णांक- **40%**

क्रेडिट-4

अधिगम परिणाम:-

- अनुवाद के कार्यप्रणाली को सीखेंगे.
- विज्ञापन में अवसरों की तलाश कर सकेंगे.
- श्रव्य-दृश्य लेखन से मीडिया में अवसर तलाश सकेंगे.
- लेखन में सामग्री संकलन निर्माण कर सकेंगे.
- मानवाधिकार और कर्तव्य से जुड़े मामलों से अवगत होंगे.

नोट:-छात्रों द्वारा निम्नलिखित पर परियोजना कार्य पूर्ण किया जाएगा.
क-अंग्रेजी समाचारों का हिन्दी अनुवाद और सम्पादन.
ख-हिन्दी में विज्ञापन निर्माण.
ग-हिन्दी श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन (रेडियो एवं टीवी समाचार, संवाद, भेंटवार्ता का लेखन).
घ-फीचर और स्तम्भ लेखन, परिशिष्ट अंक हेतु सामग्री निर्माण.
ड-बाजार, खेल, फिल्म और पुस्तक समीक्षा, समसामयिक किसी विषय पर अग्रलेख / संपादकीय.

विशेष- इस सत्र में प्रायोगिक समाचार पत्रिका 'शतपथ' का प्रकाशन किया जाएगा. छात्रों द्वारा परियोजना कार्य के तहत तैयार सामग्री का उपयोग शतपथ में किया जाएगा. इस प्रश्नपत्र में मौखिक परीक्षा बाह्य-परीक्षक द्वारा ली जाएगी.

व्यापक परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थी के बोध और अभिव्यक्ति क्षमता के सम्यक् मूल्यांकन हेतु मौखिकी संपादित की जाएगी. मौखिकी के दौरान विद्यार्थी की प्रकाशित सामग्री (यदि कोई हो) की उत्कृष्टता, अध्ययन-सत्र के दौरान प्रायोगिक कार्य, सामान्य ज्ञान और समसामयिक चर्चा, समाचार बोध और मूल्यवत्ता, तात्कालिक मुद्दों की ग्रहण शक्ति, प्राश्निक-क्षमता, सूचना-नीति और अद्यतन समाचार प्रौद्योगिकी का ज्ञान, मानवाधिकार और कर्त्तव्य से जुड़े मसलों पर चिन्तन दृष्टि, मीडिया तथा आचार संहिता की समझ, पाठ्येतर क्रियाकलाप, पत्रकारीय आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा.